दैनिक भास्कर
29-Apr-2019
null Page 5

जीएसीसी में 46 ब्लाइंड और 41 दिव्यांग छात्रों के लिए बना दी ब्रेल लिपि की नॉलेज एंड स्टडी लाइब्रेरी, चार ब्लाइंड छात्रों को बैंक में मिला जॉब

मंडे पॉजिटिव ब्रेल लिपि की किताबें भी जल्द मंगाई जाएंगी, हर विषय के लेक्चर्स ऑडियो के जरिए मौजूद

दिनेश जोशी | इंदौर

प्रदेश के सबसे बड़े कॉमर्स कॉलेज जीएसीसी (शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) में ब्लाइंड और दिव्यांग छात्रों के लिए खास तौर पर तैयार की गई लाइब्रेरी में अब ब्रेल लिपि की किताबें आएंगी। यहां हर विषय के लेक्चर्स ऑडियो के जरिए छात्रों के लिए मौजूद हैं। कंप्यूटर पर ब्रेल लिपि सॉफ्टवेयर भी विकसित किया है, जिसके जरिये ब्लाइंड और दिव्यांग छात्रों को नॉलेज, जॉब सहित अन्य अहम जानकारी मिलती है। कॉलेज में दो साल पहले इन छात्रों के लिए अलग से एक कक्ष अलॉट किया गया था, लेकिन अब यह नॉलेज एंड स्टडी लाइब्रेरी में तब्दील हो चुका है। खास बात यह है कि कॉलेज के ही एमए फाइनल के चार ब्लाइंड छात्रों को बैंक में जॉब भी मिल गई है।

अपनी तरह का अनूठा प्रयोग

हिंदी विभाग की हेड डॉ. कला जोशी बताती हैं कि हमारे यहां ब्लाइंड और दिव्यांग छात्रों की संख्या ज्यादा है, इसलिए हमने प्राचार्य डॉ. वंदना अग्निहोत्री के सहयोग से इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया। आचार संहिता के बाद इन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि की बुक्स भी आएंगी। प्राचार्य की तरफ से एक ब्लाइंड छात्रा को लैपटॉप भी दिया गया है। हमारी कोशिश है कि इस कॉलेज में जो सुविधाएं और जो सकारात्मक माहौल सामान्य बच्चों के लिए है, वही ब्लाइंड और दिव्यांग बच्चों के लिए भी रहे। इसी क्लब के जरिये हमने एक बस्ती में बुजुर्ग महिला को व्हीलचेयर भी भेंट की है।

12 बच्चों ने ब्रेल लिपि में निकाल दी पत्रिका

एमए हिंदी साहित्य के 12 ब्लाइंड छात्रों ने ब्रेल लिपि में पत्रिका भी निकाली है। इसमें ब्लाइंड और दिव्यांग छात्रों की जॉब, आगे की पढ़ाई और नॉलेज से संबंधित अलग-अलग जानकारी दी गई है। यह पत्रिका ब्लाइंड छात्र नीतेश खतवासे, पंकज कुशवाह, मुकेश बघेल और दिलीप जायसवाल ने तैयार की है। प्राचार्य डॉ. अग्निहोत्री के अनुसार आने वाले दिनों में हम क्लब के माध्यम से छात्रों के हित में बहुत सारे काम करेंगे।

यह है प्रोजेक्ट की खासियत

- ये छात्र अपने सारे महत्वपूर्ण लेक्चर्स ऑडियो लाइब्रेरी में सुन सकते हैं।
- नॉलेज, कोर्स की पढ़ाई के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था और शांत माहौल।
- लगातार सुविधाएं जुटाना, नए फर्नीचर लगाए। कम्प्यूटर और किताबों की संख्या बढ़ेगी।